त्रिकाल दृष्टि

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-14, भोपाल, 16 से 31 मई 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

नसीरुद्दीन ने साधा अनुपम खेर पर निशाना, जानें क्या कहा ?

नयी दिल्ली। नरेन्द्र मोदी सरकार के दो साल पूरे होने के साथ प्रसिद्ध अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने कहा कि देश के नागरिकों को सरकार के प्रति धारणा बनाने से पहले उसे और समय देना चाहिए. हालांकि उन्होंने कहा कि वह 'कुछ पाठ्यक्रमों में किए गए बदलावों' को लेकर चिंतित हैं। तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके अभिनेता ने कश्मीरी पंडितों के मुद्दे पर अनुपम खेर पर भी निशाना साधा और कहा, 'वह व्यक्ति जो कभी कश्मीर में नहीं रहा, उसने कश्मीरी पंडितों के लिए लडाई शुरु की है. अचानक से वह एक विस्थापित व्यक्ति बन गए.' हालांकि बाद में शाह ने कहा कि उन्?होंने ऐसा कुछ नहीं कहा है। उन्होंने राज्यसभा में गीतकार जावेद अख्तर द्वारा दिए गए बयानों का समर्थन किया जिनमें गीतकार ने कहा था कि किसी को यह अधिकार नहीं है कि वह किसी दूसरे के देशप्रेम पर सवाल उठाए. उन्होंने साथ ही कहा कि सरकार इतनी 'मूर्ख' नहीं है कि देश को 'अंधकार के दौर' में ले जाए। शाह ने कहा, 'लोग बहुत तेजी से फैसले लेते हैं और धारणाएं बना लेते हैं. मुझे लगता है कि हमें सरकार को और समय देना चाहिए. लेकिन कुछ चीजें हैं जो मुझे चिंतित करती हैं जैसे पाठ्य पुस्तकों में बदलाव जो कि चिंता का विषय है.' 66 साल के अभिनेता रिलीज हुई अपनी फिल्म 'वेटिंग' के प्रचार के लिए राष्ट्रीय राजधानी में थे।

16 साल की लड़की से 33 लोगों ने 36 घंटे तक किया गैंगरेप

साओ पाउलो। रियो डी जेनेरियो में 16 साल की लडकी से 33 लोगों ने 36 घंटे तक लगातार रेप किया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने लडकी के फोटोज और वीडियो ट्विटर पर डाल दिए। इस पर लोग भडक गए और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। घटना के बाद तुरंत हरकत में आए प्रशासन ने ये अश्लील फोटोज हटाने के आदेश दिए। ये दिल्ली के निर्भया गैंगरेप की तरह ही खौफनाक मामला बताया जा रहा है। मामला रियो शहर के एक स्लम इलाके का है। पिछले शुक्रवार रात को पीड़िता शहर के पश्चिमी हिस्से में अपने बॉयफ्रेंड के घर पर रुकने के लिए गई थी। रविवार सुबह जब वह उठी तो उसने खुद को 33 लोगों से घिरा हुआ पाया। इनमें से कइयों के हाथ में पिस्तौल और राइफलें थीं। इसके बाद इन लोगों ने 36 घंटे से ज्यादा वक्त तक इस लडकी से गैंगरेप किया। इस भीषण हादसे के बाद अस्पताल में भर्ती लडकी गहरे सदमे में है।

अमेरिका ने पाक से कहा

हथियारों के लिए नहीं है भारत की NSG सदस्यता

वाशिंगटन। भारत के परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) के सदस्य बनने को लेकर पाकिस्तान की ओर से जताए जा रहे विरोध पर साफ नाराजगी जाहिर करते हुए अमेरिका ने कहा है कि भारत का इस समूह का सदस्य बनना हथियारों की दौड़ से जुड़ा नहीं है. यह परमाणु उर्जा के असैन्य इस्तेमाल के बारे में है।

असैन्य कामों के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल : अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता मार्क टोनर ने शुक्रवार को कहा कि यह हथियारों की दौड़ के बारे में और परमाणु हथियारों के बारे में नहीं है. यह परमाणु उर्जा का इस्तेमाल शांतिपूर्ण असैन्य कार्यों में करने के बारे में है। इसलिए हम निश्चित तौर पर यह उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान इसे समझेगा।

बेबुनियाद है पाकिस्तान की दलील : टोनर दरअसल एनएसजी की सदस्यता के लिए भारत के आवेदन और इस पर पाकिस्तान के जताए जा रहे विरोध से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे. पाकिस्तान इस आधार पर विरोध कर रहा है कि भारत को इस समूह की सदस्यता मिलने से क्षेत्र में परमाणु हथियारों की दौड़ को गति मिलेगी।

राष्ट्रपति बराक ओबामा हैं भारत की सदस्यता के साथ : 48 देशों वाले एनएसजी की अहम बैठक से पहले अमेरिका सब कुछ अच्छा होने की कामना कर रहा है. टोनर ने कहा कि देखिए, मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि राष्ट्रपति बराक ओबामा की साल 2015 में हुई भारत यात्रा के दौरान उन्होंने इस बात की पुष्टि की थी कि अमेरिका मानता है कि भारत मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था की अनिवार्यताओं को पूरा करता है।

अमेरिका मानता है कि भारत एनएसजी सदस्यता के लिए काबिल : उन्होंने कहा कि हमारे मुताबिक तो भारत सदस्यता के लिए तैयार है, लेकिन यह एक सर्वसम्मति वाली संस्था है. इसलिए हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि मत किस ओर जाते हैं। उन्होंने कहा कि एनएसजी में नए सदस्यों के शामिल होने की संभावनाओं पर चर्चा मौजूदा सदस्यों का आंतरिक मसला है. मुझे लगता है कि वे नियमित रूप से बैठकें करते हैं और इससे आगे मुझे कुछ नहीं कहना है।

सबकी सहमति से लिया जाएगा फैसला : एनएसजी की अगली बैठक इस मकसद के लिए नहीं रखी गई है। टोनर ने कहा कि यह

कोई विशेष बैठक नहीं है. मेरा मानना है कि इसे प्रमुख तौर पर इस मुद्दे पर चर्चा के लिए नहीं बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपनी दिलचस्पी को सार्वजनिक कर दिया है और निश्चित तौर पर कोई भी देश सदस्यता के लिए आवेदन कर सकता है। हम सर्वसम्मति से लिए फैसले के आधार पर गौर करेंगे।

दोबारा बंगाल की मुख्यमंत्री बनी ममता

कोलकाता। तृणमूल सुप्रीमो ममता ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी दूसरी पारी की शुरुआत कर दी. इस पारी की शुरुआत ऐतिहासिक रेड रोड से हुई। ममता बनर्जी ने हजारों लोगों की उपस्थिति में पद व गोपनीयता की शपथ लेकर अगले पांच वर्ष तक पश्चिम बंगाल सरकार की कमान संभाल ली. घड़ी की सुई जैसे ही 12.45 मिनट पर पहुंची. उसी वक्त शपथ ग्रहण कार्यक्रम शुरू हुआ. राज्यपाल केसरीनाथ त्रिपाठी ने उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी। आमी ममता बनर्जी कहते हुए ममता बनर्जी ने शपथ लेना आरंभ किया। उन्होंने ईश्वर और अल्लाह के नाम पर शपथ ली। मुख्यमंत्री के साथ उनके 42 मंत्रियों ने भी पद व गोपनीयता की शपथ ली। इनमें 29 कैबिनेट, पांच राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं आठ राज्य मंत्री हैं। ममता बनर्जी के नये मंत्रिमंडल में कुल 43 मंत्री होंगे, इनमें से एक उज्ज्वल विश्वास बाद में शपथ ग्रहण करेंगे. तृणमूल कांग्रेस सरकार में 17 नये चेहरे शामिल हैं. पश्चिम बंगाल में पहली बार चार-चार व पांच-पांच मंत्रियों ने एक साथ शपथ ली. दक्षिण के राज्यों में इस तरह के दृश्य पहले भी देखे गये हैं, पर पश्चिम बंगाल के लिए यह एक नयी बात थी। सुश्री बनर्जी के मंत्रिमंडल में उनके अलावा 42 सदस्य और 18 नये चेहरे हैं. कैबिनेट मंत्री के तौर पर ममता बनर्जी सहित कुल 29 मंत्रियों ने शपथ ली. रेड रोड पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचने वाली विशिष्ट हस्तियों में केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली के अलावा, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री अशोक जी राजू, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद प्रमुख लालू प्रसाद, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली, ऋतुपर्णा सेनगुप्ता व अन्य शामिल थे.

मेघालय दौरे पर पूरे रंग में दिखे प्रधानमंत्री मोदी

मेघालय। अपने मेघालय दौरे के दूसरे और आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खासी समुदाय के आदिवासियों के गांव पहुंचकर उनसे बातचीत की. एशिया का सबसे साफ सुथरा गांव माने जाने वाले मॉफलांग गांव में शनिवार को उन्होंने नगाड़े जैसा पारंपरिक वाद्य बजाया और गांववालों के साथ चाय की चुस्की ली. यहां स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े कई लोगों को वह सम्मानित करेंगे। मेघालय के सबसे बड़े पर्यटन स्थल एलिफेंट फाल का दौरा इसके पहले पीएम मोदी ने शिलांग के सबसे बड़े पर्यटन स्थल एलिफेंट फाल का भी दौरा किया. इसके पहले उन्होंने रामकृष्ण केंद्र के एक कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित किया. इस मौके पर पीएम मोदी ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को जमीन पर उतारने की कोशिशों के बारे में बताया। पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्रियों से मिलेंगे पीएम मोदी : दिल्ली से लौटने से पहले पीएम मोदी मैरी हेल्प ऑफ क्रिश्चंस कैथेड्रल भी जाने वाले हैं. पूर्वोत्तर में इसे ईसाई समुदाय के बड़े केंद्रों में से एक माना जाता है. इसके बाद वह पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक विशेष बैठक में शामिल होंगे।

महाकाल में भस्मारती दर्शन के लिए लेना होगी अनुमति

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल में गुरुवार से भक्तों को भस्मारती दर्शन के लिए अनुमति लेना होगी। श्रद्धालु मंदिर की वेबसाइट पर ऑनलाइन तथा पुलिस चौकी के समीप स्थित काउंटर से ऑफलाइन अनुमति ले सकेंगे। सिंहस्थ महापर्व के दौरान भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर प्रशासन ने भस्मारती दर्शन के लिए अनुमति पर रोक लगा रखी थी। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को सीधे प्रवेश की व्यवस्था थी। भक्तों को चलायमान व्यवस्था से दर्शन कराए जा रहे थे। सिंहस्थ संपन्न् होने के बाद 26 मई से पुन: पुरानी व्यवस्था लागू की जा रही है। मंदिर प्रशासक आरपी तिवारी ने बताया गुरुवार सुबह से ऑनलाइन बुकिंग शुरु हो जाएगी। काउंटर से भी नियमानुसार अनुमति मिलेगी।

इसके साथ ही आरती का समय भी बदल जाएगा। सिंहस्थ में मध्यरात्रि 2.30 बजे भस्मारती हो रही थी। 27 मई से मध्यरात्रि की बजाए के 4 बजे से भस्मारती होगी। भक्त नंदी मंडपम, गणपति मंडपम् तथा कार्तिकेय मंडपम् में बैठकर भस्मारती दर्शन कर सकेंगे।

भक्त कर सकेंगे जलाभिषेक सिंहस्थ में पूरे माह भक्तों को नंदी हॉल के पीछे बेरिकेड्स से दर्शन हुए थे। लेकिन गुरुवार से भक्त गर्भगृह में जाकर बाबा महाकाल का जलाभिषेक कर सकेंगे। मंदिर प्रशासक के अनुसार भीड़ की स्थिति को देखते हुए गर्भगृह में प्रवेश की व्यवस्था तय की जाएगी।

मंगलनाथ में शुरू होगी भातपूजा मंगलग्रह की जन्म स्थली कहे जाने वाले मंगलनाथ मंदिर में भी 26 मई से महामंगल की भातपूजा शुरू हो जाएगी। साथ ही भक्तों को गर्भगृह में भी प्रवेश मिलने लगेगा। सिंहस्थ महापर्व के दौरान भातपूजा तथा गर्भगृह में प्रवेश पर रोक लगी हुई थी।

कैसे आ गए नित्यानंद,

क्यों नहीं रोक सकी सरकार

उज्जैन। सिंहस्थ में नित्यानंद कैसे आ गए। सरकार उनका कैंप लगने से रोक क्यों नहीं सकी सरकार ने सिंहस्थ में उग्रवादियों और चोरों-लुटेरों को रोकने के लिए पूरी ताकत लगाई पर जो सनातन धर्म के साथ खिलवाड़ करते हैं, उनको रोकने के लिए कोई कोशिश नहीं की।

यह बात जगद्गुरु श्री रामनरेशाचार्यजी महाराज ने मंगलवार को यहां मीडिया से चर्चा में कही है। उन्होंने कहा, सिंहस्थ सनातन धर्म को मानने वालों का महापर्व है। इसलिए सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि सनातन धर्मी ही यहां आ सकें। कुछ ऐसी संस्थाओं के शिविर भी लगाए गए, जो सनातन धर्म को मानते ही नहीं हैं। जो मोक्ष को नहीं मानते, मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं करते उन्हें सिंहस्थ में आना भी नहीं चाहिए। संत का चोला ओड़कर जो अधर्म करते हैं, उन पर भी सख्ती से रोक लगनी चाहिए।

नकली शंकराचार्य, नकली नागाओं को सिंहस्थ में आने पर नियंत्रण कैसे लगाया जाए, इस पर चिंतन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महामंडलेश्वर हो या खालसा, सब पैसा कमाने की व्यवस्था हो गई है। इनकी संख्या सीमित होना चाहिए। वैष्णव संतों की उपेक्षा कर मुख्यमंत्री ने ठीक नहीं किया जगद्गुरु ने कहा मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान संन्यासियों के शिविर में ही अधिक गए। अभा अखाड़ा परिषद का जो अध्यक्ष होता है, उसकी ओर सरकार का रुझान रहता ही है पर सभी के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। यह तो ऐसा हो गया मानो जिसने वोट दिया, उसी के काम सरकार करे।

मुख्यमंत्री ने वैष्णव संतों की उपेक्षा कर ठीक नहीं किया। विधानसभा में यह बड़ा मुद्दा बनेगा। सरकार ने राजधर्म का पालन ठीक से नहीं किया। सिंहस्थ प्रचार का माध्यम बना, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह के फोटो लगे होर्डिंग काफी लगाए गए।

संत लादूनाथ का बरसी महोत्सव 1 जून से

इंदौर। संत लादूनाथ का 22वां बरसी महोत्सव 1 एवं 2 जून को माली मोहल्ला स्थित महाप्रचंड हनुमान मंदिर में महंत रामकिशन के सान्निध्य में मनाया जाएगा। राजस्थान एवं मालवा के विभिन्न अंचलों के श्रद्धालु और विभिन्न धर्म स्थलों के संत-विद्वान भी आएंगे। संतश्री लादूनाथ गुरु आश्रम न्यास समिति के संजय जैन, विजय अग्रवाल एवं पुजारी पं. योगेश सुईवाल ने बताया कि 1 जून को सुबह 8 बजे से अखंड रामायण पाठ होगा। इसकी पूर्णाहुति 2 जून को सुबह 10 बजे होगी। दोपहर 2 से रात 8 बजे से सत्संग-भजन का आयोजन होगा।-

जलप्रदाय संबंधी छोटे कार्यों के टेंडर जल्द बुलाएं

इंदौर। नगर निगम में बुधवार को शहर की जलप्रदाय व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें निगम जलकार्य समिति प्रभारी बलराम वर्मा और अपर आयुक्त देवेंद्रसिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी में लोगों को पर्याप्त पानी देने के लिए जरूरी है कि छोटे काम जल्द पूरे किए जाएं। जिन छोटे कार्यों के टेंडर नहीं लग पाए हों, उनके लिए जल्द ठेकेदारों से प्रस्ताव बुलाकर काम शुरू किया जाए। नर्मदा लाइन में कहीं भी लीकेज हो, सुधारने में देरी नहीं हो।

मूसाखेड़ी में जलसंकट- मूसाखेड़ी क्षेत्र में जलसंकट के कारण लोग मेनरोड के आसपास गड्ढे करके पाइप लाइन से पानी भरने को मजबूर हैं। निगम अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में टैंकर भिजवाकर लोगों की परेशानी दूर की जाएगी।

उज्जैन। भाजपा के केन्द्र में दो वर्ष पूर्ण होने पर संवाददाता मुकेश शर्मा ने विधायक मोहन यादव से भेट की और उनसे भविष्य में होने वाले विकास कार्यों पर चर्चा की एवं सफल कुंभ समापन पर बधाई दी इस अवसर पर दीनदयाल मंडल के अध्यक्ष हेमंत सेन व गणमान्य उपस्थित थे।

पुलिसवाले हवाले का पैसा बताकर तोड़-बट्टा करने लगे।

एसआई और सिपाही ने सुपारी कारोबारी के कर्मचारी से 13 लाख रुपए 'लूटे'

इंदौर। द्वारकापुरी थाने के सब इंस्पेक्टर और सिपाही ने भोपाल के एक सुपारी कारोबारी के कर्मचारी से 13 लाख रुपए 'लूट' लिए। मामले की शिकायत हुई तो पुलिसवाले हवाले का पैसा बताकर तोड़-बट्टा करने लगे। जांच करने वाले अफसर ने ही केस दर्ज होने की धमकी देकर समझौते का दबाव बनाया। तीन दिन से थाने पर ही चल रहे इस खेल के बाद सबइंस्पेक्टर बुधवार को रुपए लौटाने को राजी हो गया। आरोपियों के नाम सब इंस्पेक्टर रितेश यादव और सिपाही राजू बघेल है। कुछ दिन पहले बघेल और यादव ने शांतिनाथ कॉलोनी में रहने वाले एक्टिवा सवार शिवाजी नामक युवक को रोका। उसकी चेकिंग की तो बाइक से 2 लाख रुपए और लाखों रुपयों के हिसाब की डायरी मिली। पुलिसवालों ने रुपए छीने और कर्मचारी को धमकाकर घर भेज दिया। अगले दिन फिर रुपए की डिमांड की। शिवाजी ने अपने सेठ से संपर्क किया और पुलिस वालों को दो लाख रुपए जेल रोड स्थित एक दुकान पर दिए। उसके बाद भी पुलिसवालों ने डायरी में भी लंबे-चौड़े हिसाब-किताब का हवाला देकर रुपए मांगे। कर्मचारी घबराया और उसने आखिरी किस्त की डील 8.95 लाख रुपए की गोंदवले धाम पर की।

शिकायत करने पहुंचा तो हवाला के नाम से धमकाया

घटना के बाद कर्मचारी थाने पर शिकायत करने पहुंचा तो सबइंस्पेक्टर और उसके कुछ साथियों ने उसे उक्त रुपए हवाला का होने की बात कहकर धमकाते हुए रवाना कर दिया। इधर, मामले की जानकारी डीआईजी को भी लगी। उन्होंने मामला सीएसपी सुनील पाटीदार को देखने को कहा। सीएसपी ने मामले को दबाने का प्रयास किया और आरोपियों को जल्द ही समझौता करने की हिदायत दे दी।

टीआई बोले- केस दर्ज करेंगे

जानकारी टीआई राजीव त्रिपाठी को मिली तो वे दंग रह गए और उन्होंने अफसरों को साफ कह दिया कि रितेश और राजू आरोपी निकले तो केस दर्ज करके सीधे गिरफ्तार करेंगे। इसमें कोई समझौता नहीं होगा।

शुरू हो गया तोड़-बट्टे का खेल

मामले की जांच शुरू हुई तो द्वारकापुरी थाने पर ही तोड़ शुरू हो गया। यादव ने अपने पक्ष में दो नंबरी विधानसभा से जुड़े एक कांग्रेसी नेता को बुलवा लिया। उधर, फरियादी पक्ष से भाजपा से जुड़े एक पार्षद पहुंच गए। मंगलवार दिनभर बातचीत के बाद बुधवार को मामला सेटलमेंट की स्थिति में आ गया।

पैसे देने की तैयारी में था सब इंस्पेक्टर

शुरुआत में तो यादव इस घटना से ही इनकार कर रहा था, लेकिन टीआई की सख्ती और चारों तरफ से खुद को घिरता देख वह टूटा और उसने समझौते के लिए अपने कुछ मददगारों को बुलवाया। ये लोग व्यापारी पर दबाव बनाने लगे। व्यापारी भी मान गया और तय हुआ कि यादव पूरे रुपए दे देगा तो वह केस दर्ज नहीं कराएगा।

विवादों में रहा है सबइंस्पेक्टर

यादव पहले भी विवादों में रहा और अफसरों को उसकी मौखिक शिकायतें हुई है। कुछ अफसरों की उस पर नजर भी थी, लेकिन वह द्वारकापुरी में बाले-बाले गड़बड़ियां कर रहा था। हालांकि इस मामले में वह खुद को घटना में शामिल होने से ही इनकार कर रहा है।

हवाला का पैसा

सूचना के अनुसार सारा पैसा हवाला का है, जो व्यापारी के यहां से ही टर्नओवर होता है। फिलहाल पुलिस अफसर भी इसकी तस्दीक कर रहे हैं।

जांच करवाई जा रही है। कुछ लोगों से इस घटना की जानकारी पता चली है। स्थानीय सीएसपी को जांच की बात कही है। तथ्यात्मक परीक्षण करवाया जा रहा है। कोई भी आरोपी हुआ उसे बख्शा नहीं जाएगा। फरियादी के रुपयों की भी तस्दीक हो रही है।

संतोषकुमार सिंह डीआईजी

महाकाल मन्दिर में सेवा देने वाले सेवकों का किया अभिनन्दन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन में सपत्नीक भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने श्री महाकाल प्रवचन हॉल में सिंहस्थ के दौरान महाकाल मन्दिर में सेवा देने वाले समस्त सेवकों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत-अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सेवकों से कहा कि उनके द्वारा इतनी सुन्दर व्यवस्था मन्दिर में की गई कि श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल के दर्शन आसानी से हुए। इस व्यवस्था से मैं स्वयं गदगद हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम सबकी कड़ी मेहनत से सिंहस्थ सफल हुआ है। उज्जैन में आये करोड़ों लोगों को आसानी से क्षिप्रा में स्नान का अवसर प्राप्त हुआ और मन्दिरों में दर्शन भी आसानी से हुए। यह सब भगवान महाकाल की कृपा से ही हुआ है, हम तो निमित्त मात्र हैं। महाकाल प्रवचन हॉल में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का पुजारी एवं पुरोहितों के द्वारा शाल, श्रीफल एवं प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री पारस जैन, केन्द्रीय सिंहस्थ समिति के अध्यक्ष श्री माखनसिंह, विधायक डॉ. मोहन यादव और उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल उपस्थित थे।

सिंहस्थ ओंकारेश्वर में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को भी दी जायेगी 5-5 हजार रू. की सम्मान राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सिंहस्थ महापर्व में ओंकारेश्वर में व्यवस्था में लगे कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य पर 5-5 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जायेगी। श्री चौहान आज खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के सपत्निक दर्शन किये। इस दौरान स्वामी अवधेशानंद गिरि भी उनके साथ थे।

श्री चौहान ने कहा कि गत एक माह में अधिकारी-कर्मचारियों ने दिन-रात अथक मेहनत कर सिंहस्थ महापर्व को सफल बनाया। उन्होंने ओंकारेश्वर के स्थानीय निवासियों द्वारा सिंहस्थ में बाहर से आये श्रद्धालुओं के लिए की गई सेवा के प्रति भी आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने ओंकारेश्वर सिंहस्थ ड्यूटी में सेवाएँ देने वाले सभी शासकीय सेवकों को उज्जैन में तैनात शासकीय सेवकों की तरह ही 5-5 हजार रूपये की सम्मान-राशि देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने ओंकारेश्वर स्थित श्री गजानंद सेवा ट्रस्ट जाकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मांधाता विधायक श्री लोकेन्द्र सिंह तोमर, महापौर खण्डवा श्री सुभाष कोठारी और श्री हरीश कोटवाले भी उपस्थित थे।

सिंहस्थ में पुलिस जवानों ने नींव के पत्थर की भूमिका निभाई-मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। सिंहस्थ में पुलिस जवानों ने नींव के पत्थर की भूमिका निभाई। उनकी कर्त्व्य परायणता से ही सिंहस्थ निर्विघ्न सम्पन्न हुआ। यह बात बुधवार को सपत्नीक उज्जैन पहुँचे मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने डीआरपी लाइन पुलिस ग्राउण्ड में पुलिस सहभोज में कही। उन्होंने सिंहस्थ में आत्मीयता और अनुपम व्यवहार के साथ सेवा देने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवानों के हौसले बुलन्द थे। कइयों ने तो श्रवण कुमार की भूमिका भी निभाई। पुलिस के व्यवहार की चहुँओर सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस फोर्स पर गर्व है। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री पारस जैन, सिंहस्थ केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष श्री माखनसिंह और पुलिस महानिदेशक श्री सुरेंद्रसिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सफल सिंहस्थ में सराहनीय सेवा देने वाले पुलिस के जवानों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेडल और प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जायेगा। उनके खाते में पाँच हजार की धनराशि पहुँचेगी। इसे मेहनताना न मानें, यह सम्मान-निधि है।

इसके बाद मुख्यमंत्री श्री चौहान 32वी बटालियन के परिसर में पहुँचे। वहाँ वे सीआरपीएफ, बीएसएफ, पैरामिलेट्री फोर्स और होमगार्ड के सहभोज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान जन-अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री प्रदीप पाण्डेय, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, संभागायुक्त डॉ.रवीन्द्र पसतोर, एडीजी श्री व्ही.मधुकुमार, डीआईजी श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री कवीन्द्र कियावत, एसपी श्री एम.एस.वर्मा उपस्थित थे।

भारत-अमेरिका के संबंध और ज्यादा मजबूत हुए

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से यहाँ भारत में अमेरिका के राजदूत श्री रिचर्ड आर. वर्मा ने भेंट की। श्री वर्मा ने मध्यप्रदेश में आर्थिक निवेश, महिला सशक्तिकरण और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने श्री वर्मा और उनके साथ आये अमेरिकी दूतावास के सदस्यों का स्वागत किया। श्री चौहान ने बताया कि एक दशक पहले तक मध्यप्रदेश को भारत के पिछड़े राज्यों में गिना जाता था। आज प्रदेश दो अंक में विकास दर बनाये हुए है और संभवत: विश्व में सबसे ज्यादा कृषि विकास दर वाला राज्य है। मुख्यमंत्री ने श्री रिचर्ड वर्मा को बताया कि जल-संवर्धन के क्षेत्र में प्रदेश में अभूतपूर्व काम हुआ है। अब 60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये छोटी-बड़ी जल-संरचनाओं को सहेजने और पानी बचाने से जल की उपलब्धता बड़ी है। इसका सकारात्मक प्रभाव कृषि क्षेत्र पर पड़ा। श्री चौहान ने जन-सहभागिता आधारित विकास के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश में सरकार और समुदाय मिलकर काम करते हैं।

विकास

श्री चौहान ने अमेरिका को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पार्टनर देश के रूप में भाग लेने का आग्रह किया

इन्दौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

भोपाल। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आर्थिक निवेश की स्थिति पर चर्चा करते हुए बताया कि 21, 22 और 23 अक्टूबर 16 को इन्दौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। अमेरिका के निवेश समुदाय को आमंत्रण भेजा जा रहा है। श्री चौहान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसे कई मुद्दों पर भारत और अमेरिका में वैचारिक समानताएँ हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों में और ज्यादा घनिष्ठता आई है। श्री चौहान ने अमेरिका को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पार्टनर देश के रूप में भाग लेने का आग्रह किया।

ग्रीन ऊर्जा के क्षेत्र में है बहुत संभावनाएँ

श्री रिचर्ड ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंधों में मजबूती आई है। दोनों देश हर क्षेत्र में साथ-साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश की आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में हुई प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि क्लीन और ग्रीन ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने की बहुत संभावनाएँ हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा 750 क्षमता मेगावाट का सोलर प्लांट रीवा में लग रहा है। एशिया का सबसे बड़ा 135 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट नीमच में स्थापित है। अगले दो साल में रीवा का प्लांट शुरू हो जायेगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएँ देखते हुए नई नीति बना ली है। श्री रिचर्ड ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र की प्राथमिकता और बढ़ेगी।

श्री रिचर्ड ने व्यापार और उद्योग को सरल बनाने के संबंध में प्रदेश सरकार की रणनीतियों के संबंध में जानना चाहा। मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि प्रदेश में उद्योगों के लिये भूमि आवंटन, कारखानों में निरीक्षण व्यवस्था और अन्य प्रशासकीय प्रक्रियाओं को अविलंब पूरी करने के लिये एकल खिड़की प्रणाली बनायी गयी है। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों का सरकार पर विश्वास भी बड़ा और उन्हें अपनी परियोजनाएँ स्थापित करने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर प्रदेश सरकार की पहल की चर्चा करते हुए बताया कि प्राकृतिक संसाधनों का न्यायपूर्ण दोहन और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। मध्यप्रदेश को जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में काम करने वाला आदर्श राज्य बनाना चाहते हैं। श्री चौहान ने महिला सशक्तिकरण के लिये उठाये गये कदमों की चर्चा करते हुए श्री रिचर्ड को बताया कि प्रदेश में अब लिंगानुपात सुधर रहा है। बेटियों के जन्म के प्रति सोच बदली है। बेटियों की पढ़ाई-लिखाई और शादी-विवाह के लिये राज्य की ओर से सभी इंतजाम किये गये हैं। स्थानीय निकायों के चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। लाड़ली लक्ष्मी जैसी योजनाओं से गरीब परिवारों की बेटियों को सहारा मिला है। संस्थागत प्रसव का प्रतिशत 22 से बढ़कर 82 हो गया है। मध्यप्रदेश महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये सबसे ज्यादा कदम उठाने वाला पहला भारतीय राज्य है।

सर्वधर्म समभाव की सराहना

मुख्यमंत्री ने धार्मिक स्वतंत्रता के मुद्दे पर चर्चा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री निवास में सभी धर्मों के त्यौहार मनाये जाते हैं। सभी धर्मों और संप्रदायों के लोग आपस में मिल-जुल कर रहते हैं और सामाजिक सदभाव की परंपरा को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ के दौरान अचानक आये आँधी-तूफान से परेशान श्रद्धालुओं के लिये उज्जैन शहर में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने घर खोल दिये और मस्जिदों में भी आश्रय दिया। श्री रिचर्ड ने सांस्कृतिक विविधता और सर्वधर्म समभाव की सराहना की।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, मुख्य सचिव श्री अंटोनी डिसा, प्रमुख सचिव उद्योग मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री एस.के. मिश्रा उपस्थित थे।

सम्पादकीय

केंद्र सरकार ने मनाया 2 साल पूर्ण होने का जश्न

कितना सही : मोदी का जश्न

सरकार को खासकर विकास के मामले में गंभीरता पूर्वक ध्यान देने की जरूरत है। विकास का मतलब सिर्फ 'मेक इन इंडिया' का नारा नहीं होता।

एक और महाराष्ट्र में कई किसान सूखे की वजह से आत्महत्या कर रहे हैं, वही मोदी सरकार अपने कार्यकाल के दो साल पूर्ण होने पर बड़े पैमाने पर जश्न मनाया जिस पर बड़ा भारी खर्च हुआ होगा, इस तरह का जश्न शायद ही किसी सरकार ने मनाया हो। इंडिया गेट पर आयोजित समारोह में न सिर्फ सरकार और पार्टी से जुड़े लोगों ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, बल्कि उसमें फिल्मी दुनिया और दूसरे क्षेत्रों की हस्तियों ने भी शिरकत की। दूरदर्शन पर पांच घंटे का विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया। अपनी उपलब्धियों और कामकाज के बारे में लोगों तक सूचनाएं पहुंचाना सरकार का दायित्व है, पर उसका तरीका क्या हो, इस पर भी ध्यान देने की जरूरत होती है। नरेंद्र मोदी अपने कामकाज के प्रचार को लेकर शायद अब तक के सबसे मुखर प्रधानमंत्री हैं। सरकार के कार्यो के प्रचार प्रसार पर ऐसा लगता हैं मोदी व केजरीवाल मैं जंग छिड़ी हुई हैं। जिस पर करोडो खर्च हो रहे हैं। इसलिए सरकार के दो साल पूरे होने पर ऐसे समारोह का आयोजन हैरान करने वाला नहीं था। मगर अब मोदी सरकार के लिए गंभीरता से सोचने का समय है कि क्या सचमुच वह सब कुछ हुआ है या हो रहा है, जिसका वादा उसने लोकसभा चुनावों के समय और सरकार बनने के बाद किया था। विकास का मुद्दा मोदी सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए कई योजनाएं बनीं, फैसले हुए, मगर मूल्यांकन करने की जरूरत है कि क्या वास्तव में उसके मुताबिक नतीजे आए हैं। हालांकि किसी बड़े बदलाव के लिए दो साल का वक्त पर्याप्त नहीं होता, कई योजनाओं के नतीजे लंबे समय बाद पता चलते हैं, पर इतने समय में सरकार के कामकाज की गति का अंदाजा तो लग ही जाता है। तमाम एजंसियों ने विभिन्न मुद्दों पर सर्वेक्षण कराए, जिनसे मोदी सरकार के कामकाज का पता चलता है। सरकार को उन तमाम बिंदुओं पर तफ्सील से विचार करने और उसके अनुसार आगे ब ने की जरूरत है। सरकार को खासकर विकास के मामले में गंभीरता पूर्वक ध्यान देने की जरूरत है। विकास का मतलब सिर्फ कुछ उद्योगों को प्रोत्साहित करना या फिर उनके लिए अनुकूल माहौल तैयार कर देना नहीं है। प्रधानमंत्री ने बहुत सारे देशों की यात्रा की और वहां रह रहे भारतीयों को निवेश के लिए आमंत्रित किया, मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसी योजनाएं शुरू कीं, मगर हकीकत यह है कि अपेक्षित विदेशी निवेश आकर्षित नहीं हो पा रहा। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ उसकी खपत के लिए बाजार तलाशना भी जरूरी है, मगर निर्यात के मोर्चे पर कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं दिख रही। जीडीपी में अनेक क्षेत्रों का योगदान घटा है। छोटे और मध्यमं उद्योगों की स्थिति में सुधार की कोई सूरत नजर नहीं आ रही। यही वजह है कि नए रोजगार पैदा करने के मामले में मोदी सरकार को मुश्किलों का सामना करना प रहा है। महंगाई के मोर्चे पर भी थोक मूल्य सूचकांक में भले कुछ राहत दर्ज दिख रही हो, पर खुदरा बाजार में उपभोक्ता के माथे पर शिकन बरकरार है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई उत्साहजनक प्रयास नजर नहीं आता। किसानों की दशा जस की तस बनी हुई है। इसलिए अभी तक सरकार की उपलब्धियां बड़े-बड़े नारे देने तक अधिक सिमटी हुई हैं। उन्हें व्यावहारिक धरातल पर साकार करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री बार-बार पिछली सरकार की नाकामियों का उल्लेख करते रहे हैं, मैं समझता हुँ की अब 2 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं उन्हे छींटाकशी छोड़कर अपने वादे व काम पर ध्यान देना चाहिए।

- पराग वराडपांडे

मध्यप्रदेश में सुरक्षित

समर्थ और सशक्त होती महिलाएँ

आधी आबादी को सशक्त बनाना मध्यप्रदेश में अब महज एक नारा नहीं है। पिछले 10-12 साल में प्रदेश में महिलाओं ने अपना खुद का रास्ता तय किया है। वे निर्णय की प्रक्रिया में हिस्सेदार बनी हैं। उन्होंने आर्थिक स्वतंत्रता हासिल की है। महिलाओं के लिये यह आसान नहीं था। इसके लिये उन्हें सरकार और समाज से जो ताकत मिलना जरूरी थी, वह उन्हें मिली। प्रदेश की आधी आबादी के लिये सौभाग्य की बात है कि उन्हें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का नेतृत्व मिला। ऐसा नेतृत्व जिसने महिलाओं की स्थिति को समझा और उन्हें ताकतवर बनाने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को ताकतवर बनाने की कोशिशों को जमीन पर क्रियान्वित किया। यह जरूरी था कि महिलाएँ परिवार और समाज में निर्णय की प्रक्रिया में बराबर की भागीदार हों। आर्थिक स्वावलंबन के साथ उनके अंदर आत्म-विश्वास पैदा हो। वे आगे बढ़े, ऐसा वातावरण उपलब्ध हो। साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी वे मजबूत हों। इससे भी ज्यादा यह जरूरी था कि बेटी के जन्म को लेकर समाज में व्याप्त भ्राँतियों और मानसिकता में बदलाव आये। इन बिन्दुओं पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्ष 2005 से जिस इच्छा-शक्ति से काम किया और जो परिणाम आये, उससे मैं कह सकती हूँ कि यह दशक महिला सशक्तिकरण का रहा है।

लाड़ली लक्ष्मी एक ऐसी योजना बनी, जिसने क्रांतिकारी बदलाव की शुरूआत की। प्रदेश में 21 लाख ऐसी बालिका हैं, जिनके पढ़ने और विवाह तक की जिम्मेंदारी सरकार ने सम्हाली है। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और 'स्वागतम लक्ष्मी' योजना ने बेटी को बोझ मानने की सोच बदली। इन योजनाओं के परिणाम इतने बेहतर मिले कि देश के 9 राज्य के साथ ही बांगलादेश ने भी लाड़ली लक्ष्मी योजना का अध्ययन कर अपने यहाँ योजना को अपनाया। भारत सरकार ने 'बेटी बचाओ' को राष्ट्रीय योजना बनाया। प्रदेश में महिलाओं को सशक्त बनाने की जो कोशिशें शुरू की गयीं, वे सही दिशा और दृष्टि ली हुई थीं। इन पर अमल के बाद स्वास्थ्य सर्वे वर्ष 2012-13 की रिपोर्ट में लिंगानुपात 920 से बढ़कर 948 हो गया। जन्म के समय का लिंगानुपात 905 से बढ़कर 927 हो गया। शिशु मृत्यु दर 3 वर्ष में 62 से 51 रह गयी। पाँच वर्ष से कम आयु की शिशु मृत्यु दर 83 से घटकर 65 हो गयी। यह आँकड़े बतलाते हैं प्रदेश में बेटियाँ सुरक्षित हो रही हैं।

बाल विवाह पर पूरी तरह रोक के लिये लाडो अभियान वर्ष 2013 में शुरू किया गया। गत 4 वर्ष में 81 हजार बाल-विवाह परामर्श द्वारा रोके गये। अभियान से 40 लाख लोगों को जोड़ा गया। पन्द्रह बच्चों ने स्वयं का बाल-विवाह शून्य घोषित करवाया। वर्ष 2012-13 के एनएफएचएस के सर्वे में बाल-विवाह की दर 53 से घटकर 42 हो गयी। अभियान को वर्ष 2014 में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिये प्रधानमंत्री पुरस्कार भी मिला।

महिला स्व-सहायता समूहों के गठन को प्रोत्साहित किया गया। उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं को मार्केट उपलब्ध करवाया गया, उसे ब्राण्ड दिया गया। स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत और सरकारी नौकरियों, विशेषकर पुलिस में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। संविदा शिक्षक की नौकरी में आरक्षण दिया गया। बेटियों को अपने घर से दूर पढ़ने जाने के लिये साइकिल दी गयी। गाँव की बेटी योजना में उन्हें पढ़ने-लिखने की सहूलियतें दी गयीं। राशन-कार्ड, मकान के पट्टे आदि में महिलाओं को परिवार के मुखिया के रूप में जोड़ने का नियम लागू किया गया। राशन दुकानों में एक तिहाई दुकान महिलाओं को आवंटित की जा रही है।

मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम में 10 हजार महिला को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तीन लाख महिला को इंटरनेट शिक्षित बनाने के लिये ई-शक्ति परियोजना लागू है। स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे अहम मुद्दे पर भी महिलाओं को विशेष सुविधाएँ दी गयीं। विशेष अभियान में 24 लाख गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सुरक्षा देने के लिये 1090 हेल्प-लाइन शुरू की गयी है।

सिंहस्थ कुंभ महापर्व 2016 विक्रम संवत् 2073

महाकाल की पावन धरती पर
आस्था एवं अध्यात्म का अलौकिक संगम

सिंहस्थ

कुंभ महापर्व
उज्जैन
22 अप्रैल -21 मई, 2016

“सभी संतजनों, श्रद्धालुओं का
आत्मीय स्वागत एवं अभिनन्दन”

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

क्षिप्रा के तट पर अमृत का मेला

द्वितीय शाही स्नान
9 मई 2016

तृतीय शाही स्नान
21 मई 2016

सिंहस्थ मोबाइल एप्लीकेशन "Simhasth Ujjain 2016", मेला हेल्पलाइन नंबर - 1100

www.simhasthujjain.in /SimhasthUjjain2016 /Simhasth

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2016

D79093

कैट की तैयारी से पहले सिलेबस को समझना जरूरी

कैट एक कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट है और इसी के आधार पर 19 आईआईएम तथा 100 अन्य मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स में प्रवेश दिया जाता है। आम तौर पर यह परीक्षा हर वर्ष नवंबर में होती है। कैट में 3 प्रमुख खंड होते हैं- वर्बल एबिलिटी एंड रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन (34 प्रश्न), डाटा इंटरप्रिटेशन एंड लॉजिकल रीजनिंग (32 प्रश्न) तथा क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी (34 प्रश्न)। चलिए, अब इनके बारे में विस्तार से जानते हैं। क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी : इस खंड में उम्मीदवारों की न्यूमेरिकल और प्रॉब्लम सॉल्विंग एबिलिटी को आंका जाता है। प्रश्न बहु-विकल्पीय होते हैं और गलत उत्तरों के लिए निगेटिव मार्किंग भी होती है। इस खंड में कवर किए जाने वाले टॉपिक इस प्रकार हैं- नंबर (नंबर सिस्टम, सीक्वेंस, सिरीज एंड प्रोग्रेशन), अरिथमेटिक (एवरेजेस, सिंप्लिफिकेशन, रेशियो एंड प्रपोर्शन, पर्सेंटेजेज, प्रॉफिट एंड लॉस, स्पीड, टाइम एंड डिस्टेंस, इंटरेस्ट), अल्जेब्रा (फंक्शंस, क्वॉड्रेटिक एंड लीनियर इक्वेशंस, इनइक्वॉलिटीज, लॉगेरिदम्स), ज्योमेट्री एंड मेनसुरेशन (ज्योमेट्री, मेनसुरेशन, कोऑर्डिनेट ज्योमेट्री), मॉडर्न मैथ्स (परम्युटेशंस एंड कॉम्बिनेशंस, प्रॉबेबिलिटी, सेट थ्योरी, मैक्सिमा एंड मिनिमा, ट्रिगॉनोमेट्री)। इन टॉपिक्स में प्रश्नों का बंटवारा इस प्रकार होता है- नंबर (10-14 प्रश्न), अरिथमेटिक (8-10), अल्जेब्रा (6-8), ज्योमेट्री एंड मेनसुरेशन (8-10), मॉडर्न मैथ्स (5-6)। इस खंड में अच्छा स्कोर करने के लिए आपको नंबर सिस्टम पर अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए। इसके बाद अरिथमेटिक पर ध्यान दें। यह टॉपिक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें किए जाने वाले कैल्कुलेशंस डाटा इंटरप्रिटेशन के प्रश्नों में भी काम आते हैं। इसी तरह ज्योमेट्री के फंडामेंटल्स यदि आपके दिमाग में साफ हैं, तो आप इसमें बेहतरीन स्कोर कर सकते हैं। पिछले वर्षों के पेपर देखने पर स्पष्ट होता है कि ज्योमेट्री सेक्शन के 98 प्रतिशत प्रश्न सरल ज्योमेट्रिक फॉर्मूलों पर आधारित होते हैं। यानी इस सेक्शन में अच्छा स्कोर करने की संभावना रहती है। वर्बल एबिलिट : इस खंड में लैंग्वेज कॉम्प्रिहेंशन के आधार पर आपकी एप्टिट्यूड को परखा जाता है। यदि आपको पढ़ने का शौक है, तो आप इस खंड में बढ़िया स्कोर ला सकते हैं। इस खंड के टॉपिक इस प्रकार हैं: रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन (अनसीन पैसेज), ग्रामर (फिल इन द ब्लैंक्स), वोकैब्युलरी (एनालॉजीस, वर्ड यूसेज), इंग्लिश यूसेज (पैरा जंबल, पैरा कंप्लीशन, फैक्ट इंफरेंस जजमेंट, सेंटेंस करेक्शन)। इनमें प्रश्नों का बंटवारा इस प्रकार होता है- रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन (14-16 प्रश्न), पैसेज समरी (3-4), पैरा जंबल्स (8- 10), पैरेग्राफ कंप्लीशन (2-3), करेक्ट यूसेज ऑफ फ्रेजल वर्ब्ज (3-4)। स्पष्ट है कि यहां सबसे ज्यादा वेटेज रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को दिया जाता है। यदि आप पैसेज को पढ़कर शीघ्रता से उसे समझ सकते हैं, तो इस खंड में आपको काफी लाभ मिलेगा। आप निश्चित समय सीमा में पैसेज पढ़ने की आदत डालें। साथ ही, विभिन्न विषयों के लेख पढ़कर उन्हें समझें। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन के अलावा पैरा जंबल क्वेश्चन हल करने की कला भी जानना जरूरी है।

"SWATI TUTION Classes"

Don't waste time
Rush Immediately for Coming Session 2016-2017

Personalized Tutions up to 7th Class for All Subjects

CONTACT : SWATI TUTION CLASSES
SAGAR PREMIUM TOWER, D-BLOCK, FLAT.NO.007
MOBILE-9425313620, 9425313619

जानिए किस तरह बना सकते हैं ऑप्थैलमोलॉजी में करियर

मेडिकल सेक्टर में डॉक्टर बनने के अलावा अब करियर के अनगिनत विकल्प हैं। अगर आप इसमें एंट्री करना चाहते हैं, तो ऑप्थैलमिक असिस्टेंट एक बेहतर करियर हो सकता है। इस तरह के ट्रेंड प्रोफेशनल अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से आंखों की जांच करके सटीक डायग्नोसिस तक पहुंचते हैं।

मेडिकल फील्ड में पैरामेडिकल साइंस की भूमिका को आज के दौर में कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डायग्नोस्टिक तकनीक हेल्थकेयर सेक्टर के लिए सबसे बढ़ा वरदान साबित हुई है। आज अमूमन सभी स्पेशलिस्ट आम तौर पर लैब टेस्ट, एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन की रिपोर्ट्स के नतीजों पर ही निर्भर हैं। एक अनुमान के मुताबिक, 2050 तक देश की आबादी करीब 150 करोड़ हो जाएगी। आज आबादी के लिहाज से देश में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट, लैब टेक्निशियन या रेडियोलॉजिस्ट जैसे ट्रेंड क्वॉलिफाइड स्टाफ की बेहद कमी है। मौजूदा समय में देश में करीब 10 लाख पैरामेडिकल स्टाफ की शॉर्टेज है।

क्या है ऑप्थैलमोलॉजी ?

ऑप्थैलमोलॉजी चिकित्सा विज्ञान की ही एक शाखा है। इसमें आंख संबंधी बीमारियों की जांच व उपचार किया जाता है। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट हेल्थकेयर सेक्टर का एंट्री-लेवल जॉब है। ये ऑप्थैलमोलॉजिस्ट, यानी नेत्र चिकित्सक के सह यक के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं। किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट मुख्य रूप से मरीजों की मेडिकल इंफॉर्मेशन जुटाने, उपचार के बारे में उन्हें समझाने से लेकर चिकित्सक से पहले मरीजों की कुछ आरंभिक जांच करने तथा उपकरणों को मेंटेन रखने जैसी जिम्मेदारियां निभाते हैं।

जॉब के अवसर : ऑप्थैलमोलॉजी में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद युवा सरकारी या प्राइवेट दोनों तरह के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स हॉस्पिटल्स, नर्सिंग होम्स, आई क्लीनिक्स, लेजर आई सर्जरी क्लीनिक्स, डायग्नॉस्टिक सेंटर्स आदि में जॉब पा सकते हैं। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट अनुभव के बाद टेक्निशियन बनकर खुद का क्लीनिक या आई सेंटर भी खोल सकते हैं।

एक्स्ट्रा टाइम में इस तरह करें सीजीएल एग्जाम की तैयारी

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन : ऑप्थैलमिक असिस्टेंट बनने के लिए देश के कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान कोर्स ऑफर कर रहे हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी विषयों से 12वीं पास युवा ऑप्थैलमोलॉजी में 2 वर्ष का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी : कोर्स पूरा करने के बाद एक ऑप्थैलमिक असिस्टेंट के रूप में शुरूआत करने पर 10 से 12 हजार रुपए सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 25 से 30 हजार रुपए तक सैलरी पा सकते हैं।

यहां विराजमान हैं बिना सिर वाली देवी

झारखंड की राजधानी रांची से करीब 80 किलोमीटर दूर रजरप्पा स्थित छिन्नमस्तिका मंदिर शक्तिपीठ के रूप में काफी विख्यात है. यहां भक्त बिना सिर वाली देवी मां की पूजा करते हैं और मानते हैं कि मां उन भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

मान्यता है कि असम स्थित मां कामाख्या मंदिर सबसे बड़ी शक्तिपीठ है, जबकि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शक्तिपीठ रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर ही है. रजरप्पा के भैरवी-भेड़ा और दामोदर नदी के संगम पर स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर आस्था की धरोहर है. मंदिर के वरिष्ठ पुजारी असीम पंडा ने बताया कि वैसे तो यहां साल भर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है, लेकिन शारदीय नवरात्रि और चैत्र नवरात्रि के समय भक्तों की संख्या बढ़ जाती है।

6000 साल पुराना है मंदिर

मंदिर की उत्तरी दीवार के साथ रखे एक शिलाखंड पर दक्षिण की ओर रुख किए माता छिन्नमस्तिका का दिव्य रूप अंकित है. मंदिर के निर्माण काल के बारे में पुरातात्विक विशेषज्ञों में मतभेद है. कई विशेषज्ञ का कहना है कि इस मंदिर का निर्माण 6000 वर्ष पहले हुआ था और कई इसे महाभारतकालीन का मंदिर बताते हैं. छिन्नमस्तिका मंदिर के अलावा, यहां महाकाली मंदिर, सूर्य मंदिर, दस महाविद्या मंदिर, बाबाधाम मंदिर, बजरंगबली मंदिर, शंकर मंदिर और विराट रूप मंदिर के नाम से कुल सात मंदिर हैं. पश्चिम दिशा से दामोदर तथा दक्षिण दिशा से कल-कल करती भैरवी नदी का दामोदर में मिलना मंदिर की खूबसूरती का बढ़ावा देता है।

विराजमान है मां काली का रूप

मंदिर के अंदर जो देवी काली की प्रतिमा है, उसमें उनके दाएं हाथ में तलवार और बाएं हाथ में अपना ही कटा हुआ सिर है. शिलाखंड में मां की तीन आंखें हैं. बायां पैर आगे की ओर बढ़ाए हुए वह कमल पुष्प पर खड़ी हैं. पांव के नीचे विपरीत रति मुद्रा में कामदेव और रति शयनावस्था में हैं. मां छिन्नमस्तिका का गला सर्पमाला तथा मुंडमाल से सुशोभित है। बिखरे और खुले केश, आभूषणों से सुसज्जित मां नग्नावस्था में दिव्य रूप में हैं. दाएं हाथ में तलवार तथा बाएं हाथ में अपना ही कटा मस्तक है. इनके अगल-बगल डाकिनी और शाकिनी खड़ी हैं जिन्हें वह रक्तपान करा रही हैं और स्वयं भी रक्तपान कर रही हैं. इनके गले से रक्त की तीन धाराएं बह रही हैं।

क्या है इस रूप की कथा

माता द्वारा सिर काटने के पीछे एक पौराणिक कथा है. जनरीतियों और कथा के मुताबिक कहा जाता है कि एक बार मां भवानी अपनी दो सहेलियों के साथ मंदाकिनी नदी में स्नान करने आई थीं। स्नान करने के बाद सहेलियों को इतनी तेज भूख लगी कि भूख से बेहाल उनका रंग काला पड़ने लगा। उन्होंने माता से भोजन मांगा. माता ने थोड़ा सब्र करने के लिए कहा, लेकिन वे भूख से तड़पने लगीं। सहेलियों के विनम्र आग्रह के बाद मां भवानी ने खड्ग से अपना सिर काट दिया, कटा हुआ सिर उनके बाएं हाथ में आ गिरा और खून की तीन धाराएं बह निकलीं। सिर से निकली दो धाराओं को उन्होंने उन दोनों की ओर बहा दिया। बाकी को खुद पीने लगीं। तभी से मां के इस रूप को छिन्नमस्तिका नाम से पूजा जाने लगा।

सिद्धि प्राप्ति के लिए होता है हवन

पुजारी कन्हैया पंडा के मुताबिक, यहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में साधु, महात्मा और श्रद्धालु नवरात्रि में शामिल होने के लिए आते हैं। 13 हवन कुंडों में विशेष अनुष्ठान कर सिद्धि की प्राप्ति करते हैं। मंदिर का मुख्य द्वारा पूरब मुखी है। मंदिर के सामने बलि का स्थान है. बलि-स्थान पर प्रतिदिन औसतन सौ-दो सौ बकरों की बलि चढ़ाई जाती है। रजरप्पा जंगलों से घिरा हुआ है, इसलिए एकांत वास में साधक तंत्र-मंत्र की सिद्धि प्राप्ति में जुटे रहते हैं। नवरात्रि के मौके पर असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत कई प्रदेशों से साधक यहां जुटते हैं।

गंगा नदी की ये 7 बातें जानना है जरूरी

गंगा सप्तमी वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को कहा जाता है। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार वैशाख मास की इस तिथि को ही मां गंगा स्वर्ग से भगवान शिव की जटाओं में पहुंची थीं। इसलिए इस दिन को 'गंगा सप्तमी' कहते हैं। कहीं-कहीं पर इस तिथि को 'गंगा जन्मोत्सव' के नाम से भी पुकारा जाता है।

श्रीराम के वंशज भागीरथ गंगा जी को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाए थे। उन्होंने कठिन तप किया था, क्योंकि उनके पूर्वजों का तर्पण सिर्फ गंगा नदी में ही हो सकता था। इस पौराणिक कथा का उल्लेख कई धर्म ग्रंथों में मिलता है।

गंगा नदी के बारे में कुछ रोचक बातें

गंगा नदी की प्रधान शाखा भागीरथी है जो कुमायूं में हिमालय के गोमुख नामक स्थान पर गंगोत्री हिमनद से निकलती है। गंगा के इस उदगम स्थल की ऊंचाई समुद्र तल से 3140 मीटर है। यहां गंगा जी को समर्पित एक मंदिर भी मौजूद है।

गंगा में उत्तर की ओर से आकर मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियां यमुना, रामगंगा, करनाली (घाघरा), ताप्ती, गंडक, कोसी और काक्षी हैं तथा दक्षिण के पठार से आकर इसमें मिलने वाली प्रमुख नदियां चंबल, सोन, बेतवा, केन, दक्षिणी टोस आदि हैं। यमुना गंगा की सबसे प्रमुख सहायक नदी है जो हिमालय की बन्दरपूंछ चोटी के आधार पर यमुनोत्री हिमखण्ड से निकली है। उत्तराखंड में हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी के सुंदरवन तक गंगा नदी विशाल भू भाग को सींचती है, 2, 071 किमी तक भारत तथा उसके बाद बांग्लादेश में अपनी लंबी यात्रा करते हुए यह सहायक नदियों के साथ 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के अति विशाल उपजाऊ मैदान की रचना करती है।

उत्तराखंड के हरिद्वार में गंगा नदी के तट पर कुशवार्ता घाट इंदौर (मप्र) की मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा बनवाया गया था। यहां दिवंगत आत्माओ का श्राद्ध किया जाता है यहां मौजूद हरकी पौड़ी घाट को राजा विक्रमादित्य ने उनके भाई भ्रीथरी की याद में बनवाया था। मान्यता है कि यहां राजा विक्रमादित्य के भाई ने तपस्या की थी। इसे ब्रम्हकुंड के नाम से भी जाना जाता है। झारखंड के रामगढ़ में एक ऐसा मंदिर है। जहां गंगा जल अपने आप भोले नाथ के शिवलिंग पर गिरता है। गंगा की यह धारा का उद्भव कहां से हो कोई नहीं जानता। यहां जलाभिषेक 12 माह स्वत: होता रहता है। इस जलाभिषेक का विवरण पुराणों में भी मिलता है। मान्यता है कि इस मंदिर में मांगी गई मुराद जरूर पूरी होती है। गंगा नदी को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो गंगा जल में बैक्टीरियोफेज नामक विषाणु होते हैं, जो जीवाणुओं व अन्य

हानिकारक सूक्ष्मजीवों को जीवित नहीं रहने देते हैं। गंगा की इस असीमित शुद्धीकरण क्षमता और सामाजिक श्रद्धा के बावजूद इसका प्रदूषण रोका नहीं जा सका है। हालांकि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा प्रयास जारी हैं। डालफिन की दो प्रजातियां गंगा में पाई जाती हैं। जिन्हें गंगा डालफिन और इरावदी डालफिन के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा गंगा में पाई जाने वाले शार्क की वजह से भी गंगा की प्रसिद्धी है जिसमें बहते हुये पानी में पाई जाने वाली शार्क के कारण विश्व के वैज्ञानिकों की काफी रुचि है।

सनराइजर्स बनी आईपीएल की नई चैंपियन, आरसीबी को 8 रन से हराया

बैंगलूरु। आईपीएल-9 के खिताबी मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की रॉयल चैलेंजर्स बंगलोर के खिलाफ पारी की शुरुआत और अंत दोनों ही शानदार रही। शुरुआत में कप्तान डेविड वार्नर ने आतिशी पारी खेली फिर अंत में बेन कटिंग (नाबाद 39 रन, 15 गेंद) ने लाजवाब पारी खेलकर टीम को 200 के पार पहुंचा दिया।

आईपीएल के खिताबी मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बंगलोर के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 208 रन बनाए। आखिरी ओवर में आरसीबी गेंदबाज शेन वॉटसन बहुत महंगे साबित हुए। बेन कटिंग ने इस ओवर में 15 गेंदों में 39 रन बनाए। उन्होंने आखिरी गेंदों में एक चौका और 3 छक्के लगाकर 24 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 200 रन ही बना सकी। क्रिस गेल और विराट कोहली की धमाकेदार बल्लेबाजी से एक पल ऐसा लगा था कि आरसीबी जीत ही जाएगी। जिस तरह 114 रनों की पहले विकेट की साझेदारी और क्रिस गेल के 75 रन। लेकिन विराट कोहली के विकेट के बाद आरसीबी के विकेटों का पतन जारी रहा। सनराइजर्स ने पहले धमाकेदार बल्लेबाजी की फिर कसी हुई गेंदबाजी मैच में निर्णायक रहे।

हार के साथ ही विराट कोहली की टीम आरसीबी का अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने का ख्वाब अधूरा रह गया। हालांकि दूसरी ओर सनराइजर्स के लिए भी यह पहला आईपीएल खिताब है। 2009 में डेक्कन चाजर्स ने आरसीबी को हराकर आईपीएल खिताब जीता था।

अजहर: फिल्म समीक्षा

निर्देशक टोनी डिसूजा की ये फिल्म पूरी तरह से मोहम्मद अजहरूद्दीन की जिंदगी पर आधारित है, जिसमें मैच फिक्सिंग प्रकरण सबसे अहम है। अजहर की दो-दो शादियों के अलावा नब्बे के दशक में भारतीय क्रिकेट टीम के ड्रेसिंग रूम तक की बातें इस फिल्म में शामिल की गयी हैं। इस फिल्म का ट्रेलर देख मन में ये सवाल आता था कि आखिर अभिनेता इमरान हाशमी को मो. अजहरुद्दीन के किरदार के लिए क्यों चुना गया उनका हुलिया तो आपस में बिल्कुल भी मेल नहीं खाता। पर जब फिल्म देखी तो लगा कि अजहर की शक्ल और उसके हाव-भाव बेशक हाशमी से पूरी तरह मेल न खाते हों, लेकिन उन्होंने इस किरदार को परदे पर काफी मेहनत से पेश किया है। अभिनय की बात करें तो हाशमी ने उम्दा काम किया हैं और प्राची देसाई भी ठीक लगती है, पर संगीता के रोल में नरगिस फखरी कुछ ज्यादा नहीं कर पायी और बेहद साधारण लगती हे । फिल्म का संगीत इमरान की सभी फिल्मो की तरह मधुर है। ये फिल्म कुछ हिस्सों में खासा प्रभावित करती है जैसे ड्रेसिंग रूम के सीन्स प्रभावी लगते हैं और ये आपको भारतीय क्रिकेट के उस दौर में ले जाते हे जब कपिल, रवि शास्त्री, मनोज प्रभाकर और सिद्धू जैसे खिलाड़ी होते थे। अजहर के आठ साल से ज्यादा लंबे समय तक चले इस केस में वो मशक्कत-सी नहीं दिखती जिससे जनता उनसे कनेक्ट कर पाये। ये फिल्म मनोरंजक होते हुए भी कच्ची सी लगती है और हर सीन में यथार्थ कही खो सा जाता है।

अजहर के जीवन के काले अध्याय 'मैच फिक्सिंग' कांड को फोकस में रख कर यह फिल्म तैयार की गई है जबकी अज़हर की जिंदगी का सबसे चमकीला पहलू उनकी बल्लेबाजी रही है। उन्हें कलाइयों का जादूगर कहा जाता था । वे कलात्मक शैली के बल्लेबाज थे जिनके खेल में शास्त्रीयता थी। वे 'पॉवर' की बजाय 'टाइमिंग' में विश्वास रखते थे। फिल्म में इन बातों का कोई उल्लेख नहीं है और उनके 'खेल जीवन' को फिल्म में इग्नोर कर दिया गया है। इसलिए यह फिल्म इमरान हाशमी और अजहरूद्दीन के प्रशंसकों में उत्साह तो जगाती है, लेकिन उस बायोपिक की भूख को शांत नहीं करती, जिसकी आस सबको थी। फिल्म की टीम को 'भाग मिल्खा'और 'मैरीकॉम' जैसी फिल्मों से कुछ सीखना चाइए था। अज़हर के जीवन पर एक बेहतरीन फिल्म बनाने का पूरा मसाला मौजूद था, लेकिन यह मौका जाया कर दिया गया है। अज़हर जैसे बड़े कद के खिलाड़ी के साथ यह? फिल्म न्याय नहीं करती इस सतही प्रयास को मै 5 में से 2 स्टार देता हूँ।

★★ *अजय सिसोदिया*

आयुष समाधान
आयुर्वेद व होमियोपैथी
डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां
बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं
जल ही जीवन है जल बचायें
पेड़ पौधे करो न नष्ट सांस लेने में होगा कष्ट
www.ayushsamadhaan.com
FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)